वर्ष-17 अंक-122 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, रविवार 25 फरवरी 2024

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

नगर छाया

RNI No.- UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

उपस्थित रहे। ट्रांसप्लांट की इस प्रक्रिया में मरीज के किया जा सकता है.

# मृदा स्वास्थ्य व पराली प्रबंधन पर ब्लॉक स्तरीय कृषक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**कानपुर (नगर छाया समाचार)।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम कपूरपुर में ब्लॉक स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते हैं उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। डॉक्टर खान ने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने और घटाने वाले भूमि घटकों के बारे में विस्तार से बताया।

साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर पूर्वक डालने के बारे में भी जानकारी दी। केन्द्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया।उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जो मशीनें तैयार की गई हैं।उनमें स्ट्रॉ चॉपर,हैप्पी सीडर, मलचर, सुपर सीडर आदि शामिल हैं। जिनकी सहायता से फसल अवशेषों का प्रबंधन कर सुगमता से अगली फसल की बिजाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों को व्यर्थ में जलाने के बजाय उससे कंपोस्ट तैयार करें या खेत में मिलाने से फसल उत्पादन में वृद्धि करें। इस अवसर पर 155 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-2 कानपुर, रविवार 25 फरवरी 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

# मृदा स्वास्थ्य व पराली प्रबंधन पर ब्लॉक स्तरीय कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

**आज का कानपुर**

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम कपूरपुर में ब्लॉक स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते हैं उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। डॉक्टर खान ने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने और घटाने वाले भूमि घटकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर पूर्वक डालने के बारे में भी जानकारी दी। केन्द्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया।उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जो मशीनें तैयार की गई हैं।उनमें स्ट्रॉ चॉपर,हैप्पी सीडर, मलचर, सुपर सीडर आदि शामिल हैं। जिनकी सहायता से फसल अवशेषों का प्रबंधन कर सुगमता

से अगली फसल की बिजाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों को व्यर्थ में जलाने के बजाय उससे कंपोस्ट तैयार करें या खेत में मिलाने से फसल उत्पादन में वृद्धि करें। इस अवसर पर 155 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

0
तम तापमान
सूर्यास्त
05.21

दैनिक
# स्वतंत्र निवेश

TITLE code- UPHIN/50990

सच की आवाज

क 262 • कानपुर से प्रकाशित • 25 फरवरी , 2024 रविवार • पृष्ठ : 8 मूल्य : 3.00 रुपया/- • E-mail: swatantra

कुमार तथा थाना प्रभारी साढ एशिया का सबसे बडा डिफेंस बारूद की उपलब्धता का दखत नाम जुड़ गया है।

# फसल अवशेष व्यर्थ न जलाकर कम्पोट के रूप में हो सकता है प्रयोग

संवाददाता कानपुर

कानपुर,दैनिक स्वतंत्र निवेश। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविधालय कानपुर के आधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम कपूरपुर में ब्लॉक स्तरीय फसल अवषेश प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मृदा वैज्ञानिक डा. खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होने अपने सम्बोधन में कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिटटी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते है। उन्ही से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ साथ स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। उन्होने मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर उर्वरक डालने के बारे में भी जानकारी दी। केंद्र प्रभारी डा. अजय कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया तथा कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जो मशीनें तैयार की गई है। उनमें स्ट्रॉ चॉपर, हैप्पी सीडर, मल्चर, सुपर सीडर आदि शामिल है जिससे सुगमता से अगली फसल की बिजाई की जा सकी है। कहा अवशेषों को व्यर्थ में जलाने के बजाय उसमें कंपोस्ट तैयार करें या खेत में मिलाने से फसल उत्पादन में वृद्धि करें।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

# समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

73 कानपुर, रविवार 25 फरवरी-2024 पृष्ठ -8

# मृदा स्वास्थ्य व पराली प्रबंधन पर पंचायती स्तरीय कृषक जागरूकता कार्यक्रम

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम कपूरपुर में ब्लॉक स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते हैं उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। डॉक्टर खान ने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने और घटाने वाले भूमि घटकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर पूर्वक डालने के बारे में भी जानकारी दी। केन्द्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया।उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जो मशीनें तैयार की गई हैं।उनमें स्ट्रॉ चॉपर,हैप्पी सीडर, मलचर, सुपर सीडर आदि शामिल हैं। जिनकी सहायता से फसल अवशेषों का प्रबंधन कर सुगमता से अगली फसल की बिजाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों को व्यर्थ में जलाने के बजाय उससे कंपोस्ट तैयार करें या खेत में मिलाने से फसल उत्पादन में वृद्धि करें। इस अवसर पर 155 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

# जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 134
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
रविवार | 25 फरवरी , 2024

# फसल अवशेष प्रबंधन पर किसानों को दी जानकारी

**जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर**

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम कपूरपुर में ब्लॉक स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर गुरुवार को कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते हैं उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है।उन्होंने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने एवं घटाने वाले भूमि घटकों के साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर उर्वरक डालने के बारे में भी जानकारी दी। केन्द्र के प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर 155 से अधिक किसान मौजूद रहे।